रामभाऊ म्हाळगी प्रबोधिनी
Rambhau Mhalgi Prabodhini

स्वैच्छिक कार्य संगम

National Convention of Voluntary Organizations

दि. २-३ जून, २००८ ❖ केशव सृष्टी, उत्तन, भाईंदर (पश्चिम)

पत्रव्यवहार का पता:

रामभाऊ म्हाळगी प्रबोधिनी

१७, चंचल स्मृती, गं. द. आंबेकर मार्ग,

श्रीराम इंडस्ट्रियल इस्टेट के सामने, वडाला, मुंबई - ४०० ०३१

दूरभाष : २४१८५५०२, २४१३६९६६ फैक्स: २४१५६७२५

Email : milindb@rmponweb.org Website : http://www.rmponweb.org

स्वैच्छिक कार्य संगम

National Convention of Voluntary Organizations

जून २-३, २००८, मुंबई

रामभाऊ म्हाळगी प्रबोधिनी के संदर्भ में आप निश्चय ही जानते होंगे । १९८२ में मुंबई सार्वजनिक न्यास तथा सोसायटी कानून के तहत पंजिकृत रामभाऊ म्हाळगी प्रबोधिनी विगत २५ सालों से सामाजिक कार्यकर्ताओं तथा जनप्रतिनिधियों के प्रशिक्षण के विषय में कार्यरत देश की अपनी तरह की एक मात्र अकादमी है । स्वैच्छिक कार्य का क्षेत्र तथा लोकतांत्रिक ढांचे का महत्त्वपूर्ण अंग बनी जनप्रतिनिधि - प्रणाली का गुणात्मक विकास हो इस हेतु से कार्यरत रामभाऊ म्हाळगी प्रबोधिनी का मुख्य कार्य प्रशिक्षण तथा क्षमता-विकास रहा है ।

राष्ट्रजीवन के विभिन्न क्षेत्रों में स्वैच्छिक कार्यक्षेत्र की भूमिका निरंतर बढती दिखाई दे रही है। सरकार के द्वारा विभिन्न विकास परियोजनाओं के लिए, आबंटित राशिके साठ प्रतिशत से भी अधिक का व्यय स्वैच्छिक कार्य के माध्यमसे हो रहा है। स्वैच्छिक संस्थाए सरकारी विकास-परियोजनाओं के क्रियान्वयन में तो अहम भूमिका निभा रही है, मगर स्वैच्छिक क्षेत्र की भूमिका केवल वही तक सीमित नहीं है। नीती निर्धारण, जन आंदोलन, अभिमत-निर्माण, आंतरराष्ट्रीय राजनीती को प्रभावित करने की प्रक्रिया, शोध तथा अकादमिक कार्य इ. कई क्षेत्रों पर स्वैच्छिक कार्य का प्रभाव बढता दिखाई दे रहा है। कई बार यह भी ध्यान में आता है कि स्वैच्छिक संस्थाए राजनीती को भी प्रभावित कर रहीं है। कुछ संस्थाए अ-प्रत्यक्ष पद्धती से राजनीती करती हुवी भी दिखाई देती है।

जहाँ एक ओर स्वैच्छिक कार्य का प्रभाव बढ रहा है, वहीं दुसरी ओर स्वैच्छिक कार्य के क्षेत्र में कई विकृतियाँ भी फैल रहीं हैं। भाई-भतिजेवाद का प्रभाव, उत्तरदायित्व का अभाव, बढते हुए आर्थिक घोटाले, तथा कार्यपद्धती में सुचारुपन और कार्यनिष्ठा की कमी, इन सभीं के चलते स्वैच्छिक कार्य के क्षेत्र की विश्वसनीयता कम होती दिखाई दे रही है। विशुद्ध सेवा भाव तथा संस्था निर्माण के मूलभूत आयामों के प्रति प्रतिबद्धता का अभाव स्वैच्छिक कार्य के क्षेत्र की गरिमा को हानि पहुँचा रहे है।

इस पृष्ठभूमीपर समूचे स्वैच्छिक कार्यक्षेत्र के सम्मुख खडी चुनौतियाँ दिन प्रतिदिन गंभीर होती दिखायी दे रही है। दुर्भाग्यवश, इन चुनौतियों के विषय में व्यापक चर्चा का भी अभाव है।

इस संदर्भ में, स्वैच्छिक कार्यक्षेत्र के सम्मुख इन सभी चुनौतियों की व्यापक चर्चा हो तथा चुनौतियों का सामना करने की रणनीती बने इस दृष्टीसे रामभाऊ म्हाळगी प्रबोधिनी के तत्वावधान में देशभर की कुछ चुने हुवे विषयोंपर कार्य करनेवाली स्वैच्छिक संस्थाओं का एक राष्ट्रीय परिषद '**स्वैच्छिक कार्य संगम**' के रुप में आयोजित किया गया है। यह संमेलन मुंबई के निकट प्रबोधिनी के ज्ञान-नैपुण्य केंद्र, केशवसृष्टी, उत्तन, भाईंदर (पश्चिम) में सम्पन्न होगा ।

इस परिषद में

१) ग्रामविकास
२) पर्यावरण तथा जलसंसाधन
३) महिला सबलीकरण तथा बालकल्याण
४) आदिवासी विकास
५) स्वास्थ्य

इन विषयों में काम करनेवाली स्वैच्छिक संस्थाओं के प्रतिनिधीही केवल अपेक्षित है।

इस संमेलन में स्वैच्छिक संस्थाओंको अपने कार्य में आनेवाले विभिन्न अनुभवोंका आदानप्रदान होगा तथा स्वैच्छिक संस्थाओंके सामने चुनौतियों के संदर्भ में चर्चा होगी। भविष्यमें स्वैच्छिक संस्थाए निश्चित दिशामें काम करने में सफल रहे इसी उद्देशसे यह संमेलन आयोजित किया गया है।

आपकी संस्थासें अधिक से अधिक दो प्रतिनिधी इस संमेलन में सम्मिलित होकर इसकी यशस्विता में योगदान दे यह विनम्र अनुरोध है।

परिषद कालावधी : दि. २ जून प्रात: १०-०० बजे से दि. ३ जून शाम ६-०० बजे तक

स्थान :
रामभाऊ म्हाळगी प्रबोधिनी ज्ञान-नैपुण्य केंद्र, केशव सृष्टी, एस्सेलवर्ल्ड रोड, उत्तन, भाईंदर (प.), जि. ठाणे - ४०११०६,
दूरभाष : ०२२-२८४५०१०१/०२/०३, फैक्स : ०२२-२८४५ ०१०६

शुल्क : रु. १००/- प्रति प्रतिनिधी (कृपया शुल्क केवल धनाकर्ष द्वारा '**रामभाऊ म्हाळगी प्रबोधिनी**' के नाम से ही भेजे ।

पंजिकरण की अंतिम तिथि : दि. २२ मई, २००८

अपने पंजिकरण हेतू कृपया निम्न व्यक्तिओं से संपर्क करे :

- **रवींद्र साठे** – कार्यकारी निदेशक, भ्रमणध्वनी – ९८२०००७०६४
- **मिलिंद बेटावदकर** – कार्यक्रम अधिकारी – भ्रमणध्वनी – ९४२२६३७५५०

प्रतिभागियों के लिए निर्देश

स्वैच्छिक कार्य संगम के स्थान का पूरा पता इस प्रकार है :

<u>रामभाऊ म्हाळगी प्रबोधिनी</u>

ज्ञान-नैपुण्य केंद्र, केशव सृष्टी, एस्सेल वर्ल्ड रोड,उत्तन, भाईंदर (पश्चिम), जि.ठाणे - ४०१ १०६

दूरध्वनी : ०२२ - २८४५ ०१ ०१/०२/०३ फॅक्स: ०२२ - २८४५ ०१ ०६

यहां आने के लिए निम्न मार्ग / सुविधाएँ उपलब्ध है ।

अ) मुंबई सेंट्रल / दादर स्टेशन से पश्चिम रेल्वे की विरार या भाईंदर जानेवाली लोकल ट्रेन मे बैठकर भाईंदर (जो बोरिवली के बाद वाला तिसरा स्थानक है) पहूँचा जा सकता है । भाईंदर स्टेशनपर आने के बाद भाईंदर पश्चिम से एस्सेल वर्ल्ड की दिशा में उत्तन / गोराई गाव जानेवाली सिटी बस में बैठकर आप केशव सृष्टी स्टॉप तक पहूँचे । वहा से प्रबोधिनी का वाहन प्रात: ७-०० से ९-०० बजे तक उपलब्ध रहेगा ।

आ) सांताक्रूझ हवाई अड्डे से टॅक्सी द्वारा सीधा पहूँचा जा सकता है । टॅक्सी किराया लगभग रु. ४००/- के आस-पास होगा ।

इ) मध्य रेल्वे से आनेवाले प्रतिनिधी भी दादर उतरते हुवे पश्चिम रेल्वे की ट्रेन से भाईंदर पहूँच सकते है।

ई) यदि आप ऑटो रिक्शा से आना चाहते है, तो रिक्शा के लिए भाईंदर रेल्वे स्थानक (पश्चिम) से प्रशिक्षण संकुल तक पहुँचने के लिए रु. ६० से ८० तक किराया देना होगा ।

- परिषद स्थानपर प्रतिनिधियों की निवास व्यवस्था दि. २ जून प्रात: ८.०० से उपलब्ध रहेगी । अगर दि.१ जून की रात्री को आप भोजन व्यवस्था भी चाहते हो तो कृपया इसकी पूर्व सूचना दे। यह व्यवस्था सशुल्क होगी । परंतु मुंबई की लोकल ट्रेन में शाम की भीड को मद्दे नजर २ जून की सुबह अगर आप आयेंगे तो उचित होगा ।
- इस परिषद की पूरे कालावधी में भोजन, निवास इ. की सभी व्यवस्थाए परिषद स्थल पर ही उपलब्ध की गयी है।
- इस परिषद के बाद ४ जून को जो प्रतिनिधी मुंबई दर्शन करना या एस्सेल वर्ल्ड घूमना चाहते है, उनके लिए स-शुल्क व्यवस्था की जाएगी । कृपया इसकी यशा शीघ्र पूर्व सूचना दे तथा इसका शुल्क मुंबई दर्शन प्रति व्यक्ती (रु. ३००) तथा एस्सेल वर्ल्ड प्रति व्यक्ती (रु. ३५०) रहेगा। कृपया यह शुल्क पंजिकरण शुल्क के साथ ही अदा करे।
- प्रतिनिधियों के परिवार सदस्य , सहयोगी / ड्राईव्हर इ. की व्यवस्था नहीं हो सकती ।